सांध्य दैनिक

4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 9 ● अंकः 113 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, मंगलवार, 31 मई, 2023

मूल्य ₹ 3/-

हर एक मिनट जिसमे आप क्रोधित रहते हैं, आप 60 सेकेण्ड की मन की शांति खोते हैं।

–राल्फ वाल्डो इमर्सन

दिल्ली में नाबालिग की हत्या मामले... 2 | नौ साल मोदी सरकार, ठगा गया... 3 | चार घंटे के मंथन के बाद सुलझ... 7

पहलवानों का बड़ा ऐलान

हमारे लिए देश में कुछ नहीं बचा गंगा में बहाएंगे अपने मेडल

- » इंडिया गेट पर करेंगे आमरण अनशन
- » सोशल मीडिया पर लिखा भावुक पत्र, कहा- पीएम और राष्ट्रपति ने भी नहीं ली सुध

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। अपने लिए न्याय की मांग कर रहे और भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ पहलवान लगातार सड़क पर बैठे हैं, लेकिन उनकी कोई सुध नहीं ली जा रही है। पिछले कई दिनों से पहलवान बृजभूषण की गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं अपने आंसू बहा रहे हैं, लेकिन सरकार चुप्पी साधे हुए है। इस बीच सड़क पर अपने लिए इंसाफ की मांग कर रहे पहलवानों ने एक बड़ा ऐलान कर दिया है।

देश के गौरव इन पहलवानों ने देश के लिए जीते अपने मेडलों को गंगा में बहाने का ऐलान किया है। साथ ही आमरण अनशन की भी बात कही। महिला पहलवान विनेश फोगाट ने इस बारे में सोशल मीडिया पर एक भावुक पोस्ट लिखकर जानकारी देते हुए बताया कि आज शाम छह बजे खिलाड़ी अपना मेडल हरिद्वार में गंगा में प्रवाहित कर देंगे। पहलवानों के एलान के बाद संयुक्त किसान मोर्चा ने पहलवानों के समर्थन मे एक जून को देशव्यापी प्रदर्शन का ऐलान किया।

विनेश फोगाट ने भावुक पत्र लिखा कि इतने दिनों से चल रहे आंदोलन के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने एक बार भी पहलवानों की सुध नहीं ली। विनेश ने लिखा कि हमारे साथ 28 मई को जो हुआ वो आप सबने देखा। हम महिला पहलवान ऐसा महसूस कर रही हैं जैसे इस देश में हमारा कुछ बचा ही नहीं है। फोगाट ने लिखा, हमें वो पल याद आ रहे हैं, जब हमने ओलंपिक में मेडल जीते थे। अब लग रहा है कि ये मेडल क्यों जीते थे। ये मेडल हमें नहीं चाहिए।

यौन उत्पीड़न के खिलाफ न्याय की मांग करना अपराध?

रविवार 28 मई को दिल्ली पुलिस द्वारा पहलवानों साथ किए गए बर्ताव और उन पर एफआईआर दर्ज किए जाने की कार्यवाही पर सवाल उठाते हुए विनेश फोगाट ने पत्र में कहा कि पुलिस ने हमें कितनी बर्बरता से गिरफ्तार किया। हम शांतिपूर्ण आंदोलन कर रहे थे। हमारे आंदोलन की जगह भी छीन लिया और अगले दिन गंभीर मामलों में हमारे ऊपर ही एफआईआर दर्ज कर दी गई। क्या महिला पहलवानों ने अपने साथ हुए यौन उत्पीड़न के लिए न्याय मांगकर कोई अपराध कर दिया है?

आमरण अनशन का भी ऐलान

विनेश फोगाट ने बताया कि मेडल प्रवाहित करने के बाद पहलवान आमरण अनशन भी करेंगे। उन्होंने लिखा कि इन मेडल के गंगा में बह जाने के बाद हमारे जीने का कोई मतलब नहीं रह जाएगा। इसलिए हम इंडिया गेट पर आमरण अनशन पर बैठ जाएंगे। उन्होंने कहा कि इंडिया गेट हमारे उन शहीदों की जगह है जिन्होंने देश के लिए अपनी देह त्याग दी। हम उनके जितने पवित्र तो नहीं हैं लेकिन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलते वक्त हमारी भावना भी उन सैनिकों जैसी ही थी।

प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति पर भी उठाए सवाल

पत्र में पहलवानों ने इस मेडल को राष्ट्रपति-प्रधानमंत्री को न सौंपकर गंगा में ही बहाने की वजह भी बताई। इसमें लिखा, हमारे सामने सवाल आया कि मेडल लौटाएंगे। मन ने न कहा। क्योंकि हमारी राष्ट्रपति जो खुद महिला हैं, वह हमें सिर्फ 2 किलोमीटर दूर बैठी देखती रहीं, लेकिन कुछ भी नहीं बोलीं। प्रधानमंत्री हमें अपने घर की बेटियां बताते थे। उन्होंने एक बार भी अपने घर की बेटियों की सुध नहीं ली।

शराब घोटाले में सिसोदिया को झटका, खारिज हुई जमानत याचिका

- दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा, सबूतों से छेड़छाड़ कर सकते हैं मनीष
- अब सुप्रीम कोर्ट का रुख करेंगे दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कथित शराब नीति घोटाले में जेल में बंद दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को दिल्ली हाईकोर्ट से आज बड़ा झटका लगा है। दिल्ली हाईकोर्ट ने मनीष सिसोदिया की जमानत याचिका को खारिज करते हुए जेल से बाहर आने की उनकी उम्मीदों को तोड़ दिया। आज सीबीआई के भ्रष्टाचार मामले में सुनवाई करते हुए कोर्ट ने कहा कि सिसोदिया एक पावरफुल इंसान हैं और वे बाहर आएंगे तो गवाहों को प्रभावित कर सकते हैं।

इसलिए उन्हें जमानत नहीं दी जा सकती। ऐसे में उम्मीद है कि मनीष सिसोदिया हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ अब सुप्रीम कोर्ट का रुख करेंगे।

हाईकोर्ट में सुनवाई के दौरान जस्टिस दिनेश शर्मा ने कहा कि सिसोदिया पर आरोप है कि दिल्ली की शराब नीति साउथ ग्रुप के इशारे पर उन्हें अनुचित लाभ देने के इरादे से बनाई गई थी। ये बेहद गंभीर मामला है। कोर्ट ने कहा कि सिसोदिया एक प्रभावशाली व्यक्ति हैं और जमानत पर रिहा होने पर गवाहों को प्रभावित किए जाने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता है। बता दें कि आप नेता मनीष सिसोदिया ने निचली अदालत के फैसले को चुनौती दी थी जिस पर दिल्ली हाई कोर्ट ने उनकी याचिका को खारिज कर दिया है। कोर्ट ने सिसोदिया की याचिका को खारिज करते हुए सबूतों की चिंता जाहिर की है। अदालत ने कहा कि मनीष सिसोदिया का इस मामले में व्यवहार ठीक नहीं है।

सीबीआई ने किया जमानत याचिका का विरोध

वहीं सीबीआई ने जमानत याचिका का विरोध करते हुए कहा कि सिसोदिया दिल्ली के डिप्टी सीएम रह चुके हैं और उनके पास 18 विभाग थे। ऑफिस और नौकरशाहों पर सिसोदिया का प्रभाव और दबदबा स्पष्ट है। इतना ही नहीं ऊंचे पदों पर बैठे उनकी पार्टी के सहयोगी जांच को प्रभावित करने के लिए गलत दावे कर रहे हैं। वे यह भी कह रहे है कि सिसोदिया राजनीतिक बदले का शिकार हुए हैं। पिछली सुनवाई में सीबीआई ने मनीष सिसोदिया को जमानत देने की याचिका का विरोध किया था, जिसके बाद अदालत ने 11 मई को इस मामले में फैसले को सुरक्षित रख लिया था। बता दें कि मनीष सिसोदिया शराब घोटाला मामले में आरोपी हैं जो फरवरी महीने से जेल में बंद हैं।

भाजपा सरकार में दलितों व पिछड़ों के छीने जा रहे हक : अखिलेश

» सपा प्रमुख ने कार्यकर्ताओं को दिए 2024 की तैयारी के निर्देश

» बोले- भाजपा सरकार से ऊब चुकी है जनता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में प्रमुख विपक्षी दल समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने एक बार फिर प्रदेश की भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए अपने पार्टी कार्यकर्ताओं में जोश भरा और उन्हें 2024 के लिए तैयारी करने के निर्देश दिए। सपा प्रमुख ने कहा कि प्रदेश में समाजवादी पार्टी के कारण भाजपा में खलबली मची है।

सरकार पर हमला बोलते हुए उन्होंने कहा कि दलितों, पिछड़ों, के हक छीने जा रहे हैं। महंगाई, भ्रष्टाचार चरम पर है। जनता भाजपा के अत्याचार से ऊब चुकी है। समाजवादी पार्टी जनता के लिए संघर्षरत है। समाजवादी पार्टी का भरोसा संगठन और कार्यकर्ताओं पर है। इन हालात में हमें जनता के साथ रहना है। सेक्टर, बूथ की रणनीति पर अभी से मजबूती से काम करना है। भाजपा की कुनीतियों का पर्दाफाश करना है। संविधान तथा लोकतंत्र को बचाना है। सपा प्रमुख ने कहा कि भाजपा आगामी लोकसभा चुनाव की तैयारी में षड्यंत्र की राजनीति बनाने में जुटी है। वह सत्ता का दुरुपयोग कर चुनाव जीतने की साजिशें करती आई है। सन 2022 के विधानसभा चुनाव इसीलिए समाजवादी पार्टी के हाथ से निकल गया। छह साल के भाजपा के शासनकाल में उत्तर प्रदेश बर्बाद हो गया है। सभी मोर्चों पर भाजपा सरकार विफल साबित हुई है। आरक्षण को भाजपा सरकार खत्म करना चाहती है। निजीकरण को इसीलिए बढ़ावा दिया जा रहा है। सामाजिक न्याय को लागू करने के लिए जातीय जनगणना कराया जाना जरूरी है। अखिलेश यादव ने सपा नेताओं से कहा कि वे अपना ऐसा व्यवहार रखें कि किसी को शिकायत न हो। सभी का व्यवहार शिष्टाचार युक्त होना चाहिए। परस्पर सम्मान और विश्वास से समाजवादी पार्टी का ग्राफ जनता के बीच ऊंचा उठेगा। अखिलेश यादव ने कहा कि पार्टी नेता और कार्यकर्ता जनता के सुख-दुःख में शामिल रहने तथा उनकी आवाज उठाने में कोई कसर न रखे। अभी से लोकसभा की तैयारियों में जुट जाएं।

धार्मिक भावनाओं को आहत करने वाले बयानों से बचें

सपा अध्यक्ष ने कार्यकर्ताओं और सभी पदाधिकारियों को सोशल मीडिया का दुरूपयोग करने से बचने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा है कि इधर देखा गया है कि कुछ कार्यकर्ता पार्टी नेताओं के विरूद्ध भी पोस्ट डालते हैं। तरह-तरह की टिप्पणियां करते हैं। यह घोर अनुशासनहीनता है और इस तरह की पोस्ट पर कड़ी अनुशासनिक कार्यवाही के लिए बाध्य होना पड़ेगा। धार्मिक संवेदनशील मामलों में समाजवादी पार्टी के पैनलिस्टों को अपनी बात रखने में सावधानी बरतनी चाहिए और किसी भी समाज या सम्प्रदाय की धार्मिक भावनाओं को आहत करने वाले बयान नहीं देने चाहिए।

राहुल को 56 इंच का ताना मारते हुए शर्म आनी चाहिए : सीतारमण

» किसी को नहीं पता कि कांग्रेस ने चीनियों के साथ क्या समझौता किया था

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। चीन के मुद्दे पर सरकार पर निशाना साधने वाले कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने जबरदस्त हमला बोला है। वित्त मंत्री ने कहा कि राहुल गांधी को 56 इंच का ताना मारते हुए शर्म आनी चाहिए, खासकर तब जब किसी को नहीं पता कि उन्होंने चीनियों के साथ क्या समझौता किया था।

सीतारमण ने राहुल गांधी पर तंज कसते हुए कहा कि न आप, न हम और न ही कोई और जानता है कि उस समझौते में क्या था। वह चीनियों के साथ अपने समझौते के विवरण के साथ सामने क्यों नहीं आते? बता दें कि राहुल ने पीएम मोदी पर आरोप लगाते हुए कहा था कि चीन को लेकर सरकार के पास कोई रणनीति नहीं है और वह झूठ पर झूठ बोल रही है। अब इसी का जवाब देते हुए निर्मला सीतारमण ने डोकलाम संकट के दौरान भारत में चीनी राजदूत के साथ राहुल गांधी की मुलाकात का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि राहुल को चीन के मुद्दे पर भारत सरकार को ताना मारने में शर्म आनी चाहिए, जब उन्हें चीनी राजदूत द्वारा ब्रीफ किया जाता है।

अजित ने की नई संसद की तारीफ कहा- देश को इसकी जरूरत

» एनसीपी व शरद पवार ने किया था कार्यक्रम का बायकॉट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पुणे। पीएम मोदी द्वारा नए संसद भवन का उद्घाटन 28 मई को काफी धूमधाम के साथ कर दिया गया। लेकिन इस उद्घाटन कार्यक्रम से पूरा विपक्ष दूर रहा और सभी विपक्षी नेताओं ने इस कार्यक्रम का बायकॉट किया और पीएम द्वारा इसका उद्घाटन करने पर आपत्ति जताई। लेकिन इस बीच राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी यानी एनसीपी के नेता अजित पवार ने इस मामले पर अपने चाचा यानी शरद पवार और पार्टी से अलग राग अलापते हुए नए संसद भवन की तारीफ की है।

नए संसद भवन के उद्घाटन की प्रशंसा करते हुए अजित पवार ने सभी सांसदों को एक साथ आकर देश के आम लोगों के लिए काम करने और उनके मुद्दों को हल करने का सुझाव दिया। अजित पवार ने कहा कि हम सभी जानते हैं कि अंग्रेजों ने अपनी संसद (पुरानी इमारत) बनाई थी। अब जिस नए संसद भवन का उद्घाटन हो रहा है, उसे हमने खुद बनाया है। अजित ने कहा कि बढ़ती जनसंख्या के साथ लोगों का प्रतिनिधित्व भी बढ़ेगा और मुझे व्यक्तिगत रूप से लगता है कि इस नए भवन की आवश्यकता थी। इस दौरान अजित ने महाराष्ट्र में नए विधानभवन बनाने की भी मांग की। इससे पहले, एनसीपी ने उद्घाटन कार्यक्रम में जाने से इनकार कर दिया था।

अन्य राज्यों पर फोकस करने में जुटी बसपा

» पार्टी सुप्रीमो मायावती ने 6 राज्यों के पदाधिकारियों संग की बैठक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में लगातार विफल होती जा रही बहुजन समाज पार्टी ने अब यूपी से बाहर अन्य राज्यों पर भी फोकस करने की योजना बनानी शुरू कर दी है। बसपा लोकसभा चुनाव से पहले खुद को थोड़ा मजबूत करने के प्रयास में लगी है। इसी को लेकर बसपा सुप्रीमो लगातार अन्य राज्यों के पदाधिकारियों की बैठक ले रही हैं। उन्होंने छह राज्यों के पदाधिकारियों की बैठक लेकर कहा है कि अपने-अपने राज्य में पार्टी संगठन को मजबूत करो और जो पदाधिकारी काम नहीं कर रहे हैं, उन्हें हटाओ।

यूपी विधानसभा चुनाव में बसपा चारों खाने चित हो गई। मात्र एक सीट पर बसपा उम्मीदवार को जीत हासिल हुई। इसके बाद हुए नगर निकाय चुनाव में भी यही हाल रहा। बसपा महापौर पद पर एक भी सीट नहीं जीत सकी, जबकि पिछले चुनाव में उसने दो सीटें जीत ली थीं। अब बसपा अन्य प्रदेशों पर फोकस कर रही है। बसपा सुप्रीमो अब तक लखनऊ में ही छह प्रदेशों के पदाधिकारियों की बैठक ले चुकी हैं।

दिल्ली, जम्मू कश्मीर और झारखंड के अलावा कर्नाटक, महाराष्ट्र व उत्तराखंड के पदाधिकारियों की बैठक में पार्टी आगे की तैयारियों पर जोर दिया जा रहा है। दरअसल, मायावती का फोकस इन सभी प्रदेशों के दलित वोटरों पर है। उन्होंने इन सभी प्रदेशों के पदाधिकारियों को भी कहा है कि इस वर्ग पर फोकस करो।

युवाओं को जोड़ने पर जोर

यूपी के साथ ही बसपा इन सभी राज्यों में युवाओं पर फोकस कर रही है। दरअसल बसपा की मंशा है कि पुराने ऐसे कार्यकर्ता जो अब निष्क्रिय हैं, उन्हें बाहर का रास्ता दिखाकर यूथ टीम खड़ी की जाए। इन सभी बैठकों में कहा गया है कि युवाओं को जोड़ें।

दिल्ली में नाबालिग की हत्या मामले में गरमाई सियासत

» एलजी सिर्फ केजरीवाल के काम में अड़ंगा डालने का काम करते हैं: आतिशी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

केजरीवाल बोले - राजधानी में कानून व्यवस्था एलजी की जिम्मेदारी

नई दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली एक बार फिर एक बरबर्ता भरे हादसे को लेकर सुर्खियों में बनी हुई है। रविवार रात को बाहरी उत्तरी दिल्ली के शाहबाद डेयरी इलाके में साहिल नाम के युवक द्वारा एक नाबालिग लड़की साक्षी की चाकुओं से गोदकर और सिर पर पत्थर मारकर बड़ी बेरहमी से हत्या कर दी गई थी।

इस दर्दनाक वारदात के अब इस मामले पर सियासत भी शुरू हो गई है। सरकार और विपक्ष एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप का खेल खेल रहे हैं। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने उपराज्यपाल वीके सक्सेना पर निशाना साधते हुए उनसे कुछ करने को कहा है क्योंकि दिल्ली में कानून-व्यवस्था की जिम्मेदारी उन्हीं की है। वहीं भाजपा नेताओं ने भी पलटवार किया है। दिल्ली भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष ने इसे लव जिहाद का मामला बताया है। इस बीच दिल्ली की मंत्री आतिशी ने भी एलजी पर निशाना साधते हुए कहा कि दिल्ली के लोगों की सुरक्षा करना उनकी जिम्मेदारी है, लेकिन वह सिर्फ केजरीवाल के काम में अड़ंगा डालने का काम करते हैं। वहीं दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा कि एलजी अगर अपना काम नहीं कर रहे हैं तो क्या जवाबदेही है। दिल्ली की कानून व्यवस्था सबसे निम्न स्तर पर पहुंच गई है। खुले आम हत्या हो रही हैं। एलजी कानून व्यवस्था के नाम पर फेल हो गए हैं।

भाजपा ने बताया लव जेहाद का मामला

वहीं दूसरी ओर भाजपा इस मामले को लव जेहाद से जोड़कर देख रही है और आप सरकार पर आरोप लगा रही है। किशोरी की निर्मम हत्या पर भाजपा नेताओं ने आप व दिल्ली सरकार पर निशाना साधा। पार्टी का कहना है कि आरोपी के दूसरे समुदाय का होने की वजह से आप नेता इसे सामान्य हत्या बताने की कोशिश कर रहे हैं। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने इसे लव जिहाद का मामला बताया है और इसकी सुनवाई फास्ट ट्रैक कोर्ट में होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि आरोपी ने दाहित हाथ में लाल कलावा बांध रखा है, जिससे जाहिर होता है कि वह लव जिहाद गैंग का सदस्य है। अरविंद केजरीवाल पर भी उन्होंने साधा और कहा कि यह बहुत दुख की बात है कि लव जिहाद के मामले को दिल्ली के मुख्यमंत्री कानून-व्यवस्था के मामले के रूप में पेश कर रहे हैं।

नौ साल मोदी सरकार, ठगा गया बेरोजगार

सरकारी नौकरी की बाट जो रहा युवा

- काम की तलाश में भटक रहे युवा मजदूर
- स्वरोजगार में भी मंदी का असर
- असंगठित क्षेत्रों और सुरक्षित रोजगार का दबदबा

सिद्धार्थ शर्मा/4पीएम न्यूज़

नई दिल्ली। मोदी सरकार के नौ साल हो गए । इसबीच सरकार ने रोजगार के कई दावे किए हैं, पर हकीकत में वे दावे खोखले साबित हो रहे है क्योंकि बेरोजगारी की समस्या एक अभिशाप की तरह युवाओं के दिलों दिमाग को खोखला कर रही है। युवाओं के सामने सिर्फ यही सवाल है कि पढ़ाई के बाद नौकरी कैसे हासिल की जाए? इंटरनेशनल लेबर ऑर्गेनाइजेशन के अनुमान के मुताबिक भारत में 2018 की बेरोजगारी दर 3.5 प्रतिशत थी। भारत के लिए यह चिंता का विषय है। देश में 77 प्रतिशत रोजगार असुरक्षित बने रहेंगे।

1-2 दशकों में सर्विस सेक्टर में खासकर भारत में अधिक तादाद में रोजगार सृजित हुए रोजगार के मामले में असंगठित क्षेत्रों और सुरक्षित रोजगार का दबदबा है। असुरक्षित रोजगार में स्वरोजगार या परिवार द्वारा चलाए जा रहे प्रतिष्ठान में काम करना भी शामिल है। ऐसे लोगों के लिए बेहतर कामकाजी सुरक्षा की कमी रहती है। आईएलओ के डाटा के मुताबिक दुनिया में इस साल 1.4 अरब लोग असुरक्षित रोजगार की श्रेणी में हैं। इनमें से अकेले भारत में 39.4 करोड़ यानी एक चौथाई से ज्यादा लोग हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक देश में बेरोजगारी दर 20 वर्षों में सबसे अधिक हो गई है। लेकिन इन दावों पर भी गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक देश में बेरोजगारी दर 20 वर्षों में सबसे अधिक हो गई है। बेरोजगारी बढ़ने के सामने दो ही वजह सामने आई हैं। पहली नौकरी के सृजन की रफ्तार धीमी है और दूसरी इंडस्ट्री में कार्यबल मैन पावर में कटौती। वैसे तो बेरोजगारी की चपेट में पूरा देश है, लेकिन देश के उत्तरी राज्य से उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश आदि सबसे ज्यादा प्रभावित हैं।

औपचारिक नौकरियों की कमी

भारत के श्रम बाजार को सामान्य रूप से उत्पादन और सेवा क्षेत्रों में विशेष रूप से औपचारिक नौकरियों की कमी से जूझना पड़ रहा है। कई श्रमिक अनौपचारिक क्षेत्र में रोजगार करते हैं, जिसमें कम वेतन, खराब काम के शर्तें और थोड़ी सी नौकरी सुरक्षा होती है। इससे श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा और लाभ तक पहुंचना मुश्किल हो जाता है और इससे आर्थिक असुरक्षा और गरीबी का भी योगदान हो सकता है। भारत की ऊंची बेरोजगारी दर में एक और कारक कौशल का अंतर है। कई नियोक्ता उचित कौशल और योग्यता वाले कामगारों को ढूंढने में कठिनाई रिपोर्ट करते हैं, विशेष रूप से आईटी और स्वास्थ्य सेक्टर जैसे क्षेत्रों में। इससे शिक्षा और प्रशिक्षण में अधिक निवेश की आवश्यकता हाइलाइट होती है, साथ ही एक से अधिक उपयोगकर्ताओं और अल्पसंख्यक समूहों को श्रम बाजार में शामिल होने के लिए प्रोत्साहन उपलब्ध कराने की भी जरूरत होती है।

बेरोजगारी से बढ़ता है अपराध

अगर देखा जाए तो अपराध बढ़ने का प्रमुख कारण बेरोजगारी ही है। कुछ युवा वर्ग बेरोजगारी के अभाव के कारण अपना कदम अपराध की ओर बढ़ा लेते हैं। हालांकि उनका यह कदम पूरी तरह गलत होता है। देश में राजनीतिक दल सरकार तो बनाते हैं, लेकिन चुनाव खत्म होते ही उनके वादे ठंडे बस्ते में चले जाते हैं। रोजगार के लिए सरकार द्वारा प्रयास नहीं किया जाता जो करना चाहिए। हालांकि हम पूरी तरह नहीं कह सकते कि सरकार रोजगार देने का प्रयास नहीं कर रही है।

नौकरी के नाम पर ठगी के शिकार भी बनते हैं युवा

बेरोजगारी की स्थिति को देखते हुए नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी और लूटमारी के षडयंत्र के मामले में भी तेजी से सामने आ रहे हैं। इस जाल में युवा वर्ग फंस जाता है और नौकरी के नाम पर ठग मनमाना पैसा युवाओं से लूटकर रफूचक्कर हो जाते हैं। कुछ बेरोजगार युवा पढ़-लिखकर सोशल नेटवर्किंग के द्वारा लोगों को नौकरी के नाम पर लूट रहे हैं। नौकरी के नाम पर लूटने वाले युवा अपराधियों का शिकार मुझे खुद होना पड़ा। नौकरी के नाम पर लोगों से पैसा लूटकर बैठे हुए हैं और शासन उनका कुछ नहीं कर पा रहा। हालांकि

इस पर लगाम कसने की कोशिश की जा रही है, लेकिन बेरोजगारी का आलम ऐसा है कि युवा कुछ भी करने को तैयार है।

आर्थिक विकास में सुधार से होगा लाभ

इन चुनौतियों के बावजूद, आशा के भी कुछ कारण हैं। भारत की अर्थव्यवस्था का 2023 में मजबूत बढ़ोतरी की उम्मीद है, जिसमें वृद्धि के अधिकारिक अंकों की उम्मीद है। सरकार ने नौकरी निर्माण को बढ़ावा देने के लिए नई पहलों की घोषणा भी की है, जिसमें नए औद्योगिक कोरिडोरों की सृजन की जानकारी और राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के विस्तार शामिल हैं। भारत में बेरोजगारी को कम करने की चुनौती अंततः लेबर मार्केट में लंबी समय तक के संरचनात्मक मुद्दों के अलावा छोटी अवधि की आर्थिक चुनौतियों का भी सामना करने वाली एक बहुआयामी दृष्टिकोण की आवश्यकता है। इसके लिए, सटीक नीति निर्माताओं, व्यवसायों, और सिविल सोसायटी आर्गेनाइजेशनों द्वारा स्थायी और समावेशी आर्थिक विकास के लिए उपयुक्त माहौल बनाने के लिए संयुक्त प्रयास की आवश्यकता होगी।

बड़ी-बड़ी डिग्रियों वाले कर रहे चपरासी का आवेदन

एमबीए, एमएससी जैसी बड़ी डिग्रियां हासिल कर चुके युवा राजस्थान अलवर में स्थित कृषि विभाग के चपरासी के पद के लिए आवेदन किया था। दरअसल, यह कोई किसी एक राज्य की स्थिति नहीं है। वहीं उत्तर प्रदेश में भी देखा गया कि पीएचडी बीटेक डिग्री वाले भी विधानसभा सचिवालय में चपरासी पद के लिए 368 पोस्ट के लिए 23 लाख से भी ज्यादा उम्मीदवारों ने आवेदन किया था। ठेकेदारी प्रथा से रोजगार सुलभ तो हो जाता है लेकिन मनमानी इस कदर है कि रोजगार के नाम पर युवाओं का शोषण किया जा रहा है। सरकारी नियमानुसार मिलने वाली राशि या कहें की सैलरी का हिसाब कुछ अलग ही होता है। निर्धारित किया गया कलेकटर रेट सिर्फ फाइलों में ही पूरा होता है। बेरोजगारी की ऐसी स्थिति को देखने के बाद केंद्र सरकार पर प्रश्नचिन्ह खड़े हो जाते हैं कि कहां गई वह व्यवस्थाएं जो चुनाव के समय स्वरोजगार योजना देने एवं सरकार युवाओं के हित की बात करती थी वह असफल दिखाई देती है। बहरहाल, अब चूंकि मोदी सरकर दोबारा सत्ता में है तो एक बार पुनः मोदी सरकार ने अपने बजट में बेरोजगारी से लड़ने के लिए दिया विजन केंद्र सरकार ने अपनी अंतिम बजट में शामिल किया है। ऐसे में उम्मीद है कि सरकार भविष्य में बेरोजगारी की समस्या से लड़ने के

लिए कोई नई नीति पर काम करे।

भारत की बेरोजगारी दर मार्च 2023 में 7.8 प्रतिशत भारत की बेरोजगारी दर मार्च 2023 में 7.8 प्रतिशत के 3 महीने के उच्च स्तर पर बढ़ी 7.50.1के उच्च स्तर पर बढ़ी हई है। केंद्रीय ऑफ मॉनिटरिंग इंडियन इकोनॉमी (सीएमआईई) द्वारा जारी नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, भारत की बेरोजगारी दर मार्च 2023 में 7.8 प्रतिशत हो गई है। यह फरवरी में दर्ज की गई 7.2 बेरोजगारी दर से बढ़त है और कोविड-19 महामारी के बाद अपनी अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित करने के लिए देश के प्रयासों के लिए एक विफलता का प्रतीक है। बेरोजगारी में वृद्धि निश्चित रूप से चिंता का कारण होगी, जो विपणन को उत्तेजित करने और महामारी के बाद नए नौकरियों को बनाने के लिए काम कर रहे नीतिनिर्माताओं के लिए एक चुनौती का स्रोत होगी। सरकार ने व्यापक उद्यमों का समर्थन करने और रोजगार सृजन को प्रोत्साहित करने के लिए एक रेंज के उपाय शुरू किए हैं, जिसमें आत्मनिर्भर भारत पहल और राष्ट्रीय रोजगार नीति शामिल है। तथापि, नवीनतम डेटा संकेत देता है कि इन प्रयासों का अभी तक इच्छित प्रभाव नहीं हो रहा है। बेरोजगारी में वृद्धि कई कारकों के कारण हो सकती है, जिसमें व्यापारों और व्यापक अर्थव्यवस्था पर महामारी के प्रभाव के अलावा श्रम बाजार में जारी संरचनात्मक मुद्दों का भी असर हो सकता है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

समाज संवेदनशील बने

राजधानी दिल्ली में इंसानियत एक बार फिर से शर्मसार हुई है। एक युवती का सरेआम मार्डर होता और लोग तमाशा देखते रहते हैं। जिस तरह की तस्वीरें और वीडियो इस घटना के सामने आ रही है वो किसी को भी विचलित कर सकती हैं। सबसे बड़ी बात ये कि वहां की सरकार व मुख्य विपक्षी दल भाजपा एक दूसरे पर आरोप प्रत्यारोप लगा रही है। कोई कानून व्यवस्था पर एलजी को घेर रहा है तो कोई आप की सराकर को सारी घटनाओं का जिम्मेदार बता रहा। दिल्ली में पिछले तीन-चार सालों में इस तरह की घटनाएं बढ़ना ठीक नहीं है। वहीं इस घटना की तस्वीरों और वीडियो ने एक सवाल भी खड़ा कर दिया है कि आखिर राजधानी के लोग कितने संवेदनहीन हो गए हैं। बीच सड़क पर लोगों के सामने एक युवक युवती पर पहले चाकू से बार करता है, उसका सर पत्थर से कुचलता है और लोग आस-पास से गुजरते रहते हैं और आगे बढ़ जाते हैं। यह घटना राजधानी के शाहबाद डेयरी इलाके की बताई जा रही है। आरोपी साहिल नाम के युवक ने 16 वर्षीय युवती की जिस तरह से चाकू और पत्थरों से हत्या की उसने दिल्ली को एक बार फिर शर्मसार कर दिया है। हालांकि आरोपी को बुलंदशहर से पुलिस ने पकड़ लिया है।

इतना तो साफ है कि हत्यारे को पुलिस और समाज का जरा भी डर नहीं था। दिल्ली में संवेदनहीनता का यह पहला उदाहरण नहीं है इससे पहले भी कई मामले ऐसे आ चुके हैं जिसने यह सोचने पर मजबूर कर दिया कि आखिर राजधानी के लोगों में इंसानियत बची भी या नहीं। कुछ दिन पहले ही कंझावला कांड में भी इंसानियत शर्मसार हुई थी जिसमें लोग एक युवती को गाड़ी के नीचे कई किलोमीटर तक घसीटते रहे। इस संबंध में पुलिस का कहना है कि साहिल और युवती के बीच संबंध थे, लेकिन रविवार को दोनों के बीच विवाद हो गया। जब युवती अपनी सहेली के बेटे के जन्मदिन में जा रही थी तो इसी दौरान साहिल ने उसे गली में रोक लिया। दोनों के बीच कहासुनी हुई। इसके बाद आरोपी साहिल ने उस पर ताबड़तोड़ चाकू से वार कर दिए। जब इतने में भी मन नहीं भरा तो आरोपी ने कई बार उस पर पत्थर उठाकर मारा। ऐसी नृशंस हत्याओं की खबरें सुनाई देती हैं कि रूह कांप उठती है। लेकिन हत्यारों और अभियुक्तों को अपने किसी कृत्य पर पछतावा नहीं होता। कई बार कोई हत्यारा पकड़ा जाता है तो वीडियो में मुस्कुराता हुआ भी नजर आता है। ऐसी ऐसी खबरें पढ़कर मन कांप उठता है और लगता है दुनिया संवेदनशून्य हो गई। आदमी का मन कांप उठता है कि यह कैसी हिंसात्मक बस्ती बन गयी जहां संवेदना-भद्रता का कोई प्रसार नहीं। समाज को अपने अंदर झांकने की जरूरत है।

संजय

एक युवती का सरेआम मार्डर होता और लोग तमाशा देखते रहते हैं। जिस तरह की तस्वीरें और वीडियो इस घटना के सामने आ रही है वो किसी को भी विचलित कर सकती हैं। सबसे बड़ी बात ये कि वहां की सरकार व मुख्य विपक्षी दल भाजपा एक दूसरे पर आरोप प्रत्यारोप लगा रही है। कोई कानून व्यवस्था पर एलजी को घेर रहा है तो कोई आप की सराकर को सारी घटनाओं का जिम्मेदार बता रहा।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

मानवीय संवेदना के क्षरण की त्रासदी

सुरेश सेठ

वक्त के तेवर बदल रहे हैं। हवाओं में मानवीय गुणों का ह्रास हो रहा है। नैतिकता और आदर्श जर, जोरू और जमीन के भौतिक लक्ष्यों के पीछे नीलाम कर दिए जाते हैं। देश में सांस्कृतिक गरिमा बहाल करने की बहुत से बातें हो रही हैं। यह राष्ट्र देवभूमि था और सर्वोच्च मानवीय गुणों से युक्त लोग यहां वास करते थे। वक्त बदला व भौतिकवाद का प्रसार होने लगा। चंद धनकुबेरों के पास राष्ट्र की धन-सम्पदा केन्द्रित हो गई और करोड़ों की भीड़ छोटी-छोटी जरूरतों को तरसती हुई रियायती बंटवारा संस्थानों के बाहर कतार बनाकर खड़ी रहती है।

वहीं सांस्कृतिक गरिमा की तो क्या पूछिए। यहां बंदूक और पिस्तौल रखने के चलन ने एक नई संस्कृति पैदा कर दी, रक्तरंजित संस्कृति। छोटी-छोटी बातों के लिए पिस्तौल व बंदूक निकाल ली जाती है और दिन-दहाड़े फिरौती की धमकी मिलती है। मना करने पर लोग गोली से उड़ा दिए जाते हैं। ऐसे में लगता है सड़क पर चलता हुआ कोई भी व्यक्ति सुरक्षित नहीं। सरकार द्वारा कानून-व्यवस्था को बनाए रखने और अनुशासन द्वारा परिवेश को संचालित करने के दावों की कमी नहीं लेकिन असल जिंदगी में यही नजर नहीं आते। धीरे-धीरे प्रेम और जिंदगी भर का साथ निभाना या परिवार में जीवनभर स्नेहसूत्र में बने रहने की बातें जैसे अतीत की बातें हो गई हैं। ऐसी-ऐसी नृशंस हत्याओं की खबरें सुनाई देती हैं कि रूह कांप उठती है। लेकिन हत्यारों और अभियुक्तों को अपने किसी कृत्य पर पछतावा नहीं होता। कई बार कोई हत्यारा पकड़ा जाता है तो वीडियो में मुस्कुराता हुआ भी नजर आता है। श्रद्धा और आफताब की कहानी बेशक पुरानी पड़ गई लेकिन ऐसी निम्न प्रवृत्ति की मिसाल है। जिसके साथ लिव इन में रह रहा था, उसी से मन ऊब गया तो उसे टुकड़े-टुकड़े कर दिये। ऐसी ऐसी खबरें पढ़कर मन कांप उठता है और लगता है दुनिया संवेदनशून्य हो गई। अभी एक सौतेली मां की खबर है कि उसने अपनी बेटी पैदा होने के बाद सौतेली बेटी को मारकर उसकी हड्डियां तोड़कर बाल्टी में भरकर उसे तालाब में फेंक दिया।

आदमी का मन कांप उठता है कि यह कैसी हिंसात्मक बस्ती बन गयी जहां संवेदना-भद्रता का कोई प्रसार नहीं। मानवीय गुण क्या बीते युग की बातें हो गईं? एक दिन की कुछ खबरें ही आदमी को चौंकाने के लिए काफी होती हैं। अभी एक खबर यह है कि एक मां के पास अपनी कोई संतान नहीं

थी। उसने बेटी गोद ले ली। उसको काम न करने के लिए वह गर्म लोहे से दागती थी। बच्ची के जख्मों से खून रिसता था। ऐसा अत्याचार करने पर भी कथित मां का दिल नहीं कांपता था। स्कूल में जब बच्ची से पूछा गया तो उसने रोते हुए बात बता दी। जब मां से पूछा तो वह ऐसे कृत्य के लिए माफी मांगकर छुटकारा पा गई। अब इसकी क्या गारंटी है कि वह ऐसी अमानवीयता को दोहराएगी नहीं? जमीन के लिए झगड़ते हुए भाई की भाई से लड़ाई तो महाभारत काल से चली आ रही है जहां पांच गांव भी न देने के कारण कौरवों और पांडवों के बीच इतना बड़ा युद्ध छिड़ गया। लेकिन आज तो घर-घर महाभारत है। सबको उनका हिस्सा मिल जाने के बाद भी ऐसे चतुर-चालाक मिल जाते हैं जो दूसरे का हिस्सा हड़पने के लिए उसे दूसरी दुनिया में पहुंचाने में संकोच नहीं करते। बेखौफ अपराधी समाज की पहचान बनते जा रहे हैं। पीड़ितों की सुनवाई नहीं होती। इस हिंसा के साथ-साथ ठगी और झांसों की नई दुनिया भी शुरू हो गई है। ठगे जाने के बाद शिकायत पर एफआईआर दर्ज करवाने के बावजूद कानून के रखवालों की सक्रियता नजर नहीं आती। साइबर अपराधों में भी जितनी एफआईआर दर्ज होती हैं, उनका दस प्रतिशत भी पकड़ में नहीं आता। हमारे समाज में मां-बाप को भगवान के तुल्य रखने का संदेश दिया गया है। लेकिन अब बूढ़े मां-बाप के साथ जो व्यवहार उनकी संतानों द्वारा किया जाता है, वह वर्णन करने के काबिल भी नहीं। मां-बाप को नाकारा सामान की तरह घर से निकाल दिया जाता है या वृद्धाश्रमों में जाने की सलाह दी जाती है। यह इस देश का दुर्भाग्य है कि यहां वृद्धाश्रम पश्चिमी देशों की तरह विकसित नहीं। समृद्ध घर के लोगों द्वारा वहां आश्रय लेने के बाद उनकी जो हालत होती है, वह बयां नहीं की जा सकती।

देश में उचित रोजगार न मिलने के चलते बेहतर भविष्य बनाने के लिए अपने वर्तमान को बेचकर भी मां-बाप अपने बच्चों को विदेश भिजवा देते हैं। इसके बाद उनका संबंध केवल टेलीफोन या वीडियो कॉलिंग पर ही रह जाता है। हालत यह हो जाती है कि उनके दम तोड़ देने के बाद भी बच्चे अपना काम छोड़कर देश नहीं आ पाते। फोन कॉल से उनके दाहकर्म के लिए अंत्येष्टि गृहों की बुकिंग करवा देते हैं।

यश कामना से रहित दान की सार्थकता

सीताराम गुप्ता

भौतिक जगत में भी यही होता है। दुनिया का नियम है इस हाथ दे उस हाथ ले। लेने के लिए, प्राप्त करने के लिए पहले देना पड़ेगा। फसल काटने के लिए फसल बोनी पड़ेगी। लेकिन प्रश्न उठता है कि क्या हमें देना आता है? दान का वास्तविक स्वरूप क्या है? दान ही देना हो तो सात्विक दान देना चाहिए। राजसिक अथवा तामसिक दान का कोई महत्तव नहीं होता।

शास्त्रों में कहा गया है कि सैकड़ों हाथों से एकत्र करो और हजारों हाथों से बांटो। जो बांटता है वही पाता है। दान वस्तुत: प्राप्ति का ही दूसरा नाम है। आप जो देते हैं वही आपका है, शेष कुछ भी आपका नहीं। गुरु नानक देव जी भी कहते हैं कि जो भी आप देते हैं आपका है जो भी आप रख लेते हैं आपका नहीं है। इसीलिए उन्होंने पिता द्वारा व्यापार के लिए दिए गए पैसे भी साधु-संतों की सेवा में लगा दिए। भौतिक जगत में भी यही होता है। दुनिया का नियम है इस हाथ दे उस हाथ ले। लेने के लिए, प्राप्त करने के लिए पहले देना पड़ेगा। फसल काटने के लिए फसल बोनी पड़ेगी। लेकिन प्रश्न उठता है कि क्या हमें देना आता है? दान का वास्तविक स्वरूप क्या है? दान ही देना हो तो सात्विक दान देना चाहिए। राजसिक अथवा तामसिक दान का कोई महत्तव नहीं होता। श्रीमद्भगवद्गीता के सत्रहवें अध्याय के बीसवें श्लोक में श्री कृष्ण कहते हैं— 'जो दान कर्तव्य समझकर, किसी प्रत्युपकार की आशा के बिना, समुचित काल तथा स्थान में और योग्य व्यक्ति को दिया जाता है वह सात्विक दान माना जाता है।'

खलील जिब्रान लिखते हैं 'ऐसे भी लोग हैं जिनके पास बहुत थोड़ा है और वे सारा का सारा दे डालते हैं। ये जीवन में और जीवन की संपन्नता में आस्था रखने वाले लोग होते हैं और इनका भंडार कभी खाली नहीं होता। कुछ लोग हैं जो प्रसन्न होकर दान करते हैं और यही प्रसन्नता उनका पुरस्कार है। दूसरे लोग हैं जो कष्ट से दान करते हैं और यही कष्ट उनका ईमान है। ऐसे लोग भी हैं जो दान करते हैं लेकिन उन्हें दान करते कष्ट नहीं होता। न उन्हें प्रसन्नता की कामना होती है, न पुण्य कमाने की।' यही वास्तविक दान है। दान में राशि का भी महत्व नहीं होता। यदि महत्तव होता है तो वह है भावनाओं का। शुद्ध भावना से दिया गया दान ही वास्तविक दान की श्रेणी में आता है। दान का वास्तविक स्वरूप क्या हो सकता है इस पर एक प्रसंग का स्मरण हो रहा है।

एक नगर में एक विशाल चिकित्सालय का निर्माण होना था। जोर-शोर से चंदा इकट्ठा किया जाने लगा। सबसे ज्यादा दान देने वाले का नाम दानपट्टिका में सबसे ऊपर मोटे अक्षरों में लिखा जाना था। इसके लिए नगर के प्रतिष्ठित लोग लाला भगवान राय के द्वार पर पहुंचे और अधिकाधिक चंदा देने के लिए उकसाने का प्रयास करने लगे। इसमें बुराई भी कुछ नहीं थी। नेक काम के लिए चंदा मांगा जा रहा था और लाला भगवान राय भी समर्थ थे। नगर में लाला भगवान राय के अलावा ऐसा कोई व्यक्ति बचा भी नहीं था जो उनसे ज्यादा चंदा देने की सामर्थ्य रखता हो इसीलिए लोग जान-बूझकर सबसे बाद में उनके पास पहुंचे थे। एक सज्जन अब तक की सबसे ज्यादा दान की राशि की जो रसीद कटी थी उसकी काउंटर-फाइल लालाजी को दिखाने लगे। लालाजी ने पूछा कि भाई मुझसे क्या सेवा चाहते हो? आगंतुकों में से एक ने कहा कि इन्होंने ग्यारह लाख रुपये दिये हैं अत: आप कम से कम बारह लाख रुपये अवश्य दें जिससे दानपट्टिका में आपका नाम सबसे ऊपर मोटे अक्षरों में लिखा जा सके।

लालाजी ने कहा कि मेरा नाम सबसे ऊपर लिखने की जरूरत नहीं है। आप जो कहेंगे वो सेवा मैं करने को तैयार हूं पर एक शर्त पर और वो ये कि दानपट्टिका में सबसे ऊपर मोटे अक्षरों में नाम इन्हीं सज्जन का लिखा जाए जिन्होंने अब तक की सबसे ज्यादा रकम ग्यारह लाख रुपए दी है। इसके फौरन बाद लालाजी ने बीस लाख रुपये उन्हें थमाते हुए कहा कि दो रसीदें काट दीजिये। एक रसीद दस लाख की मेरे नाम से और दूसरी दस लाख की मेरी सहधर्मिणी के नाम से। दानपट्टिका पर सबसे ऊपर मोटे अक्षरों में नाम लिखवाने के उद्देश्य से दिया गया दान वास्तव में यश की कामना से दिया गया दान है जो सकाम कर्म की श्रेणी में आता है। दान सदैव यश की कामना से ऊपर उठकर देना ही श्रेयस्कर है। ये अलग बात है कि निष्काम भाव से प्रदत्त सात्विक दान से जो प्राप्ति होती है उसका आकलन संभव नहीं। जिसने देने की इस कला को सीख लिया उसे भला किस चीज की कमी, और यश से उसे क्या प्रयोजन? थोड़ा दान देने वाले की पात्रता पर भी विचार कर लेते हैं। कुपात्र द्वारा दिया गया दान भी समाज का अहित ही करता है।

कई लोग दान देने में तो बहुत आगे रहते हैं लेकिन उनका आचरण किसी भी दृष्टि से अच्छा नहीं होता। लाखों का दान देने वाले कई लोग अपने यहां काम करने वाले मजदूरों की मजदूरी भी ठीक से नहीं देते। उनके व्यापार में किसी प्रकार की ईमानदारी नहीं होती। गलत तरीके से पैसा कमाते हैं और दान भी देते हैं। वास्तव में दान देने का उनका उद्देश्य झूठी प्रतिष्ठा प्राप्त करना अथवा गलत कामों के पाप से बचना होता है। कुछ लोग ये समझते हैं कि दान कर देने से उनके पाप धुल जाएंगे। ये सोचना उनकी सबसे बड़ी भूल होती है। जहां हमें दान देने से प्रसन्नता होती है वहीं गलत कामों का परिणाम भी हमें अवश्य वहन करना होता है।

शुगरलेस गम चबाएं

शुगरलेस गम चबाना वास्तव में दांतों की सड़न को रोकने में आपकी मदद कर सकता है। जब आप चबाते हैं, तो आपका मुंह लार से भर जाता है जो स्वाभाविक रूप से भोजन के अवशेषों को धो सकता है, एसिड को बेअसर कर सकता है, दांतों के इनेमल को मजबूत कर सकता है और बीमारियों से लड़ सकता है।

नियमित रूप से करें टूथब्रश

दांतों की देखभाल के लिए सही टूथब्रश का चुनाव करना कितना जरूरी है। हमेशा एक छोटा या मध्यम आकार का ब्रश चुनें जिसके ब्रिसल्स आपके दाढ़ की दरारों में पहुंच सकते हैं जहां भोजन के अवशेष भर जाते हैं। अपने टूथब्रश के लिए कवर का उपयोग न करें। इस्तेमाल के बाद ब्रश को पानी से धो लें, और इसे हवा में सूखने के लिए छोड़ दें। इसे शौचालय में न रखें। अपने टूथब्रश को नियमित रूप से बदलें क्योंकि इसके ब्रिसल्स समय और उपयोग के साथ खराब हो जाते हैं।

दांत के कीड़े-पीलापन, मुंह की बदबू ऐसे करें दूर

दांतों में पीलापन, दांतों में सड़न, पायरिया, मसूड़ों में खून आना, दांतों में कीड़ा लगना या कैविटी जैसी दांत-मसूड़ों की समस्याओं से बहुत से लोग परेशान रहते हैं। जाहिर है एक्सपर्ट्स इन समस्याओं से बचने के लिए दिन में दो बार ब्रश या फ्लॉस करने की सलाह देते हैं। बहुत से लोग इन नियमों का पालन भी करते हैं लेकिन फिर भी उन्हें इन समस्याओं का सामना करना पड़ता है। वास्तव में आपका खान-पान दांत और मसूड़ों की समस्याओं का सबसे बड़ा कारण है। आप जो भी कुछ खाते-पीते हैं, उसका कुछ हिस्सा आपके दांतों पर चिपक जाता है। इसे प्लैक कहा जाता है जो पीले रंग का होता है। जब यह कठोर हो जाता है, तो टार्टर का रूप ले लेता है और दांतों की जड़ों में घुसकर सड़न, कीड़ा, पायरिया, मसूड़ों में खून आना और कैविटी का कारण बनता है।

डेंटल रूटीन करें फॉलो

यदि आप अपने दांतों को जल्दी सड़ने से बचाना चाहते हैं, तो सुबह और सोने से पहले अपने दांतों को ब्रश से साफ करें। अपने दांतों की सभी सतहों को ब्रश करने की कोशिश करें। मसूड़ों के नीचे से किसी भी बचे हुए भोजन को बाहर निकालने के लिए फ्लॉस का उपयोग करें और वहां फंसे कीटाणुओं तक पहुंचने की कोशिश करें। किसी भी माउथवॉश में जीवाणुरोधी प्रभाव होता है और यह आपके मुंह में बचे हुए बैक्टीरिया से छुटकारा पाने में आपकी मदद करता है।

अपने खाने की आदतों को बदलें

एक अध्ययन के मुताबिक डाइट में बदलाव वास्तव में दांतों की सड़न को रोक सकता है। चीनी से भरपूर चीजें दांतों को खराब करती हैं। इसलिए इसके सेवन से बचें, कैल्शियम वाली चीजें दूध, दही, क्रीम और पनीर आदि अधिक सेवन करें। बिना चीनी वाले पेय पदार्थों का सेवन करें। सोडा, जूस और फ़िज़ी ड्रिंक्स पीने से बचें।

नियमित कराएं दांतों की सफाई

किसी समस्या का इलाज करने की तुलना में उसे रोकना हमेशा बेहतर होता है। कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप कितनी अच्छी तरह से अपने दांतों को ब्रश या फ्लॉस करते हैं। डेंटिस्ट प्लैक और टार्टर को हटाने के लिए आपके दांतों के पीछे और सामने गम लाइन के पास सफाई करेगा। आप वर्ष में कम से कम एक बार अपॉइंटमेंट बुक करें।

हंसना मना है

पप्पू एक रेस्टोरेंट में खाना खाने गया, महिला वेटर- सर क्या लेंगे? पप्पू- आपका नंबर। फिर क्या, खाना भी नहीं मिला और ऊपर से पप्पू की हो गई जोरदार पिटाई।

चिंटू अपने दोस्त से- नया साल शुरू होने वाला है, कोई गलती, गुस्ताखी, या खता हो गई हो तो टेंशन मत लो... पिंटू- अच्छा ऐसा है क्या? चिंटू- हां माफी मांग लो, मैं आज अच्छे मूड में हूं। पिंटू ने फिर मांगी तो नहीं मांगी लेकिन चिंटू की धुनाई जरूर कर दी।

पप्पू- गलती से भी 31 दिसंबर की रात 11:59 पीएम पर वाशरूम मत जाना। गप्पू- क्यों... पप्पू- क्योंकि सीधे अगले साल ही बाहर निकलोगे!

पत्नी - मैं आपसे बात नहीं करूंगी। पति - ठीक है!!! पत्नी - क्या आप कारण नहीं जानना चाहते? पति - नहीं, मैं तुम्हारे फैसले की इज्जत करता हूं!

पप्पू - लड़कियां कभी खुद प्यार का इजहार नहीं करतीं? गप्पू - क्यों...? पप्पू - ताकि ब्रेकअप करते समय वो ये कह सकें कि तुम ही मेरे पीछे पड़े थे, मैं नहीं...! पप्पू की बात सुनकर गप्पू बेहोश हो गया।

कहानी | कछुआ और खरगोश

एक वक्त की बात है, किसी घने जंगल में एक खरगोश रहता था, जिसे अपने तेज दौड़ने पर बहुत घमंड था। उसे जंगल में जो दिखता, वो उसी को अपने साथ दौड़ लगाने की चुनौती दे देता। दूसरे जानवरों के बीच वो हमेशा खुद की तारीफ करता और कई बार दूसरे का मजाक भी उड़ाता। एक बार उसे एक कछुआ दिखा, उसकी सुस्त चाल को देखते हुए खरगोश ने कछुए को भी दौड़ लगाने की चुनौती दे दी। कछुए ने खरगोश की चुनौती मान ली और दौड़ लगाने के लिए तैयार हो गया। जंगल के सभी जानवर कछुए और खरगोश की दौड़ देखने के लिए जमा हो गए। दौड़ शुरू हो गई और खरगोश तेजी से दौड़ने लगा और कछुआ अपनी धीमी चाल से आगे बढ़ने लगा। थोड़ी दूर पहुंचने के बाद खरगोश ने पीछे मुड़कर देखा, तो उसे कछुआ कहीं नहीं दिखा। खरगोश ने सोचा, कछुआ तो बहुत धीरे-धीरे चल रहा है और उसे यहां तक पहुंचने में काफी वक्त लग जाएगा, क्यों न थोड़ी देर आराम ही कर लिया जाए। यह सोचते हुए वह एक पेड़ के नीचे आराम करने लगा। पेड़ के नीचे सुस्ताते-सुस्ताते कब उसकी आंख लग गई, उसे पता भी नहीं चला। उधर, कछुआ धीरे-धीरे और बिना रुके लक्ष्य तक पहुंच गया। उसकी जीत देखकर बाकी जानवरों ने तालियां बजानी शुरू कर दी। तालियों की आवाज सुनकर खरगोश की नींद खुल गई और वो दौड़कर जीत की रेखा तक पहुंचा, लेकिन कछुआ तो पहले ही जीत चुका था और खरगोश पछताता रह गया।

कहानी से सीख- इस कहानी से यही सीख मिलती है कि जो धैर्य और मेहनत से काम करता है, उसकी जीत पक्की होती है और जिन्हें खुद पर या अपने किए हुए कार्य पर घमंड होता है, उसका घमंड कभी न कभी टूटता जरूर है।

7 अंतर खोजें

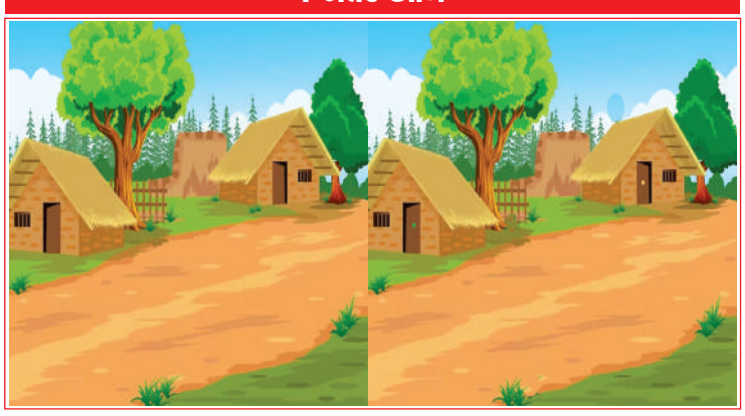

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आज का दिन आपके लिए धन संबंधित मामलों में अच्छा रहने वाला है। किसी पुरानी चली आ रही परेशानियों से आपको निजात मिलेगी।

वृषभ

आज बिजनेस कर रहे लोगों के लिए अच्छा रहने वाला है। ऊंचाइयां आपके कदम चूमेंगी और ऑफिस में काम करने वाले लोगों को किसी लंबी दूरी की यात्रा पर जाना पड़ सकता है।

मिथुन

आज के दिन आपके लिए खुशनुमा रहने वाला है। आपको किसी पुराने मित्र से लंबे समय बाद मिलने का मौका मिलेगा। बच्चों को आज कोई पुरस्कार मिलने से खुशी होगी।

कर्क

आज का दिन आपके लिए किसी जरूरी कार्यों को समय रहते पूरा करने के लिए रहेगा। यदि आपको किसी बात को लेकर चिंता सता रही है, तो वह आज दूर होगी।

सिंह

आज का दिन आपके लिए कुछ परेशानियां लेकर आने वाला है। आप किसी यात्रा पर जाते समय वाहन बहुत ही सावधानी से चलाएं, नहीं तो समस्या हो सकती है।

कन्या

आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहने वाला है। आपको किसी सदस्य से व्यर्थ की बहसबाजी में नहीं पड़ना है। आपको व्यर्थ की बहसबाजी में पड़ने से बचना होगा।

तुला

आज वैवाहिक जीवन जी रहे लोगों के लिए खुशनुमा रहने वाला है। आपकी अपने पार्टनर से कुछ नज़दीकियां बढ़ेगी, उधार लिया धन आपसी रिश्तों में दरार पैदा करा सकती है।

वृश्चिक

आज आपको सावधानी और सतर्कता बरतने जरूरत है। आपकी कुछ नए लोगों से मुलाकात होगी। परिवार में आप सदस्यों की छोटी-छोटी खुशियों का ख्याल रखेंगे।

धनु

आज आपके लिए सकारात्मक परिणाम लेकर आएगा। आपको घर बाहर से एक के बाद खुशखबरी सुनने को मिलती रहेगी, जो आपकी प्रसन्नता का कारण बनेगी।

मकर

आज का दिन मिलाजुला रहने वाला है। आपको छोटी-छोटी बातों पर क्रोध करने से बचना होगा। संतान पक्ष की ओर से आपको कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती है।

कुम्भ

आज का दिन आपके लिए रचनात्मक कार्यों से जुड़कर नाम कमाने के लिए रहेगा। जीवनसाथी के साथ कुछ सुखद भरे पल व्यतीत करेंगे।

मीन

आज का दिन आपके लिए मौज मस्ती भरा रहने वाला है। आप मित्रों के साथ मनोरंजन के कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे, जिसमें आप अच्छा खासा धन व्यय करेंगे।

इंडस्ट्री में फर्जी कास्टिंग स्कैम से बचना सबसे जरूरी : पूजा डे

बॉलीवुड | मसाला

रियलिटी शो 'डेटिंग इन द डार्क' से एक्टिंग की दुनिया में आने वाली अभिनेत्री पूजा डे इंडस्ट्री में अपनी पहचान बनाने के लिए संघर्षरत हैं। वह अपने लिए काम की तलाश में जुटी हैं। उनका कहना है कि इंडस्ट्री में न्यूकमर्स के लिए सबसे बड़ा खतरा फर्जी कास्टिंग स्कैम से है। एक मीडिया इंटरव्यू के दौरान पूजा ने और भी कई बातों का जिक्र किया। साथ ही उन्होंने नए सितारों को कुछ चेतावनी भी दी हैं।एक मीडिया बातचीत के दौरान पूजा डे ने फर्जी कास्टिंग स्कैम पर बात की और कहा कि सभी नए एक्टर्स को रोल ऑफर करने के नाम पर चल रहे इन स्कैम के बारे में पता होना चाहिए। केवल कड़ी मेहनत और धैर्य ही आपकी मदद करेगी, किसी को पेमेंट नहीं करना। बता दें कि एक्ट्रेस की शॉर्ट फिल्म ओस को इंडियन नैरेटिव शॉर्ट कैटेगिरी में कशिश क्रीर फिल्म फेस्टिवल में नॉमिनेट किया गया है। पूजा डे ने इंडस्ट्री में करियर बनाने का सपना लेकर आने वाली नई प्रतिभाओं को सतर्क किया है। हालांकि, एक्ट्रेस का कहना है कि इंडस्ट्री में जब वह आई थीं तो शुरुआत में वह ठगी का शिकार हुई थीं। रिपोर्ट्स के मुताबिक एक्ट्रेस ने बताया, यह तब हुआ जब मैं इंडस्ट्री में आने की कोशिश कर रही थी। मेरे लिए यह सब बहुत नया था। मैं काम के लिए लोगों से कॉन्टेक्ट करती थी। एक दिन कास्टिंग डायरेक्टर बनकर एक लड़के ने मुझे फोन किया और मुझसे मेरी प्रोफाइल के बारे में पूछा। उसने मुझसे कहा कि मुझे दो म्यूजिक वीडियो में कास्ट किया जाएगा, लेकिन इसके लिए मुझे पहले उन्हें 15 हजार रुपये की पेमेंट करनी होगी। पूजा ने आगे कहा, मैं अपने होमटाउन में थी और इस तरह के घोटालों और धोखाधड़ी के बारे में कोई जानकारी नहीं थी। मैंने अपनी मां से कुछ पैसे लिए और उस आदमी को दे दिए। लेकिन, जैसे ही मैंने अमाउंट ट्रांसफर किया वैसे ही वह हर जगह से गायब हो गया। एक्ट्रेस का कहना है कि उन्होंने उस घटना से भी सबक नहीं सीखा और मुंबई में शिफ्ट होने के बाद ऐसी ही एक और घटना की शिकार हो गईं। उन्होंने बताया, मैंने एक आदमी को 10 हजार रुपये दिए थे, जिसने मुझे काम देने की झूठी उम्मीदें दीं। यह वास्तव में मेरे लिए निराश करने वाला था, क्योंकि मुझे दो बार ठगा गया।

दीपिका अब नहीं करेंगी एक्टिंग, बोलीं- घर संभालना है

टीवी शो ससुराल सिमर का में अपनी परफॉर्मेंस के लिए जानी जाने वाली दीपिका कक्कड़ ने एक्टिंग छोड़ दी है। टेली चक्कर की एक रिपोर्ट के अनुसार, एक्ट्रेस ने शोबिज छोड़ने और अपना सारा ध्यान अपने परिवार और होने वाले बच्चे पर लगाने का फैसला किया है। इस साल की शुरुआत में, दीपिका और उनके पति शोएब इब्राहिम ने घोषणा की कि वे अपने पहले बच्चे की उम्मीद कर रहे हैं। दीपिका ने हाल ही में एक इंटरव्यू में कहा कि वह अपने एक्टिंग करियर को छोड़ना चाहती थीं। उन्होंने कहा, मैं प्रेग्नेंसी के इस फेज का आनंद ले रही हूं और अपने पहले बच्चे का स्वागत करने वाली हूं। एक्साइटमेंट अलग लेवल पर है। मैंने बहुत कम उम्र में काम करना शुरू कर दिया था और लगातार 10-15 साल तक काम करती रही। जैसे ही मेरी प्रेग्नेंसी जर्नी शुरू हुई, मैंने शोएब से कहा कि मैं काम नहीं करना चाहती और एक्टिंग छोड़ना चाहती हूं। मैं एक हाउसवाइफ और मां के रूप में जीवन जीना चाहती हूं। दीपिका कक्कड़ को आखिरी बार स्टार प्लस के कहां हम कहां तुम में 2020 में करण ग्रोवर के साथ देखा गया था। उन्होंने सोनाक्षी रस्तोगी की भूमिका निभाई थी। इससे पहले, एक्ट्रेस ने रियलिटी टीवी शो बिग बॉस 12 में भाग लिया और जीता। वह शोएब के साथ झलक दिखला जा 8 और नच बलिए 8 जैसे डांस रियलिटी शो का भी हिस्सा थीं। छोटे पर्दे पर सिमर के रूप में बड़ी भूमिका निभाने से पहले उन्होंने 2010 में नीर भरे तेरे नैना देवी में लक्ष्मी के रूप में टेलीविजन पर शुरुआत की और अगले जन्म मोहे बिटिया ही कीजो में रेखा के रूप में भी दिखाई दीं। दीपिका कक्कड़ पति शोएब इब्राहिम से ससुराल सिमर का के सेट पर मिलीं और आखिरकार दोनों ने 2018 में शादी कर ली। इस साल जनवरी में, कपल ने घोषणा की कि वे अपने पहले बच्चे की उम्मीद कर रहे हैं।

मैं एक हाउसवाइफ और मां के रूप में जीवन जीना चाहती हूं।

बॉलीवुड | मन की बात

आमिर चैंपियंस के लिए रणबीर पर दांव खेलने को तैयार

बॉलीवुड के मिस्टर परफेक्शनिस्ट आमिर खान को आखिरी बार फिल्म लाल सिंह चड्ढा में देखा गया था। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कमाल नहीं दिखा पाई और फ्लॉप साबित हुई। वहीं, बीते दिन आमिर को लेकर यह खबर आई कि वह स्पेनिश फिल्म चैंपियंस के हिंदी रीमेक के लिए सलमान खान से बात कर रहे हैं। कथित तौर पर आमिर ने चैंपियंस नामक भारतीय संस्करण में सलमान खान से मुख्य भूमिका निभाने के लिए सम्पर्क किया था। हालांकि, ताजा रिपोर्ट में दावा किया जा रहा है कि सलमान खान ने फिल्म को ना कर दिया है। साथ ही आमिर खान अब इस बॉलीवुड स्टार को अपनी फिल्म के लिए मनाने में जुट गए हैं। आमिर खान के जरिए फिल्म चैंपियंस के हिंदी रीमेक बनाए जाने की खबर ने फैंस को काफी खुश किया था। वहीं, जब खबर आई कि इससे सलमान खान जुड़ने वाले हैं तो फैंस का उत्साह और ज्यादा बढ़ गया था। इतना ही नहीं रिपोर्ट तो यह भी थी कि मार्च में इसकी ऑफिशियल घोषणा की जाएगी, लेकिन यह मुमकिन नहीं हो सका। ताजा रिपोर्ट की मानें तो सलमान ने फिल्म को करने से मना कर दिया है, जिसकी वजह से आमिर खान को रणबीर कपूर से संपर्क करना पड़ा। मीडिया रिपोर्ट की मानें तो, सलमान खान चैंपियंस के हिंदी रीमेक से जुड़ने के लिए पहले काफी उत्साहित थे। शुरू में सबकुछ सही चल रहा था, लेकिन फाइनल नरेशन से पहले सलमान ने प्रोजेक्ट से अपने हाथ पीछे खींच लिए। जून में फिल्म पर काम शुरू होना था, लेकिन सलमान ने अपनी दूसरी फिल्म की शूटिंग का हवाला देते हुए इसे ना कर दिया। वहीं, रिपोर्ट की मानें तो आमिर ने हाल ही में इसके लिए रणबीर कपूर से संपर्क किया और उन्हें यह कहानी बेहद पसंद भी आई है। हालांकि, रणबीर ने फिल्म साइन की है या नहीं इसका पता अबतक नहीं चल पाया है। चैंपियंस की बात करें तो इसका निर्देशन आरएस प्रसन्ना करने वाले हैं। यह वर्ष 2018 में इसी नाम से रिलीज हुई स्पेनिश कॉमेडी-ड्रामा की हिंदी रीमेक है।

अजब-गजब | इस रेगिस्तान में बने हैं पैरों के अद्भुत निशान

पांच करोड़ लाख पुराना है ये रेगिस्तान

दुनिया में ऐसा कोई इंसान नहीं होगा, जिसने कभी भगवान को देखा हो। बावजूद इसके हमें भगवान की पूजा अर्चना करते हैं और उसके अस्तित्व को स्वीकार करते हैं। कई बार ये बात भी सुनने को मिलती है कि देवताओं के पैरों के निशान भी दुनिया में मौजूद है। यही नहीं कुछ लोग इसके बारे में परियों के नाचने की बातें भी करते हैं। ऐसा ही कुछ कहा जाता है अफ्रीका के नामीब रेगिस्तान में मौजूद गोलाकार आकृतियों के बारे में। लाखों की संख्या में मौजूद इन आकृतियों के बारे में कहा जाता है कि ये ये भगवान के पैरों के निशान हैं।

दरअसल, दक्षिण-पश्चिमी अफ्रीका के अटलांटिक तट से लगा नाबीम रेगिस्तान में धरती के सबसे सूखे स्थानों में से एक है। जिसको स्थानीय नामा भाषा में मतलब उस स्थान से हैं जहां कुछ भी न हो। ये रेगिस्तान मंगल ग्रह की तरह दिखाई देता है। जहां रेत के टीले हैं, ऊबड़-खाबड़ पहाड़ हैं और 81 हजार वर्ग किलोमीटर में फैले बजरी के मैदान हैं। कहा जाता है कि ये रेगिस्तान पांच करोड़ 50 लाख साल पुराना है जो दुनिया का सबसे पुराना रेगिस्तान है। वहीं सहारा रेगिस्तान 20 से 70 लाख साल पहले का है। यहां गर्मियों में तापमान 45 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है और रातें इतनी ठंडी होती हैं कि बर्फ जम जाती है। ये स्थान बिल्कुल भी रहने लायक नहीं है। लेकिन कई प्रजातियों ने यहां पर अपने घर बनाए हैं। ये रेगिस्तान दक्षिणी अंगोला से नामीबिया होते

हुए 2,000 किलोमीटर दूर दक्षिण अफ्रीका के उत्तरी हिस्से तक फैला है। नामीबिया के लंबे अटलांटिक तट पर समुद्र से मिलता है। ऐसा लगता है मानो पूरब की ओर रेत का अंतहीन समुद्र फैला हो, जो दक्षिण अफ्रीका के 160 किलोमीटर अंदर विशाल ढलान तक जाता है। इस रेगिस्तान के सबसे सूखे हिस्सों में साल में औसतन सिर्फ दो मिलीमीटर बारिश होती है। और कभी-कभी कई साल बिल्कुल बारिश नहीं होती। फिर भी ओरिक्स, स्प्रिंगबॉक, चीता, लकड़बग्घा, शुतुरमुर्ग और जेब्रा ने यहां की कठोर परिस्थितियों में खुद को ढाल लिया है। शुतुरमुर्ग पानी के नुकसान को कम करने के लिए अपने शरीर के तापमान को बढ़ा लेते हैं। हार्टमैन के पहाड़ी जेब्रा कुशल पर्वतारोही हैं जिन्होंने रेगिस्तान के बीहड़ इलाकों में खुद को ढाल लिया है। ओरिक्स बिना पानी पिए सिर्फ पौधे की जड़ और कंद खाकर हफ्तों तक जिंदा रह सकते हैं। यहां की सबसे हैरान करने वाली बड़ी पहेली एक भू-आकृति है जिसे परियों का घेरा कहा जाता है। एक खास प्रजाति के घास से घिरे गोल-गोल घेरों में कोई पौधा नहीं होता। पूरे नामीब रेगिस्तान में ऐसे लाखों घेरे हैं जो कई दशकों से विशेषज्ञों को चकित किए हुए हैं। इन घेरों को आसमान से देखना सबसे अच्छा है। नामीब के अंतहीन रेगिस्तान में हर जगह ये घेरे दिखते हैं, जो कई बार चेचक के धब्बों की तरह लगते हैं।

इस कुंड में ताली बजाने मात्र से ऊपर आ जाता है पानी

आपने आज तक बहुत से जल कुंडों के बारे में सुना होगा। कई जल कुंडो की अपनी कहानी है। कोई जल कुंड अपने श्राप के लिए प्रसिद्ध है तो कोई भविष्य में आने वाली आपदा के बारे में संकेत देने के लिए। लेकिन क्या आपने कभी ऐसे कुंड के बारे में सुना है जिसके पास अगर आप ताली बजाए तो उसका पानी ऊपर आ जाता है इतना ही नहीं क्या आपने कभी ऐसा कुंड देखा है जो गर्मियों में ठंडा पानी देता है और सर्दियों में गर्म पानी। जाहिर सी बात है आपका जवाब ना होगा लेकिन हम आपको ऐसे ही कुंड के बारे में बताने जा रहे है। झारखंड के बोकारो जिल में स्थित इस कुंड की खासियत है कि अगर आप अगर यहां पर ताली बजाएंगे तो पानी अपने आप ऊपर उठने लगता है। लोगों की मानें तो इस दौरान आपको ऐसा लगेगा कि जैसे किसी बर्तन में पानी उबल रहा है। बोकारो सिटी से 27 किलोमीटर दूर स्थित इस कुंड को लोग दलाही कुंड के नाम से जानते है। यह कुंड चारों तरफ से कंक्रीट की दीवारों से घिरा हुआ है। इस कुंड में नहाने लोग काफी दूर दूर से आते है। इस कुंड को लेकर कई रिसर्च हुए आखिर ताली बजाने से पानी ऊपर कैसे उठता है लेकिन कोई भी आज तक यह नहीं बता पाया कि आखिर इसका राज किया है। दलाही कुंड के बारे में लोगों की मान्यता है कि इस कुंड के पानी में जो कोई भी मन्नत मागता है उसकी सारी मनोकामना पूरी हो जाती है। इतना ही नहीं कहा जाता है कि अगर कोई व्यक्ति इस कुंड में एक बाक नहां ले को उसे कभी चर्म रोग जैसी घातक बीमारी नहीं होती। इस कुंड का पानी एकदम साफ रहता है। वहीं वैज्ञानिकों का मानना है कि अगर इस कुंड में नाहने से चर्म रोग जैसी बीमारी नहीं होती तो इसका मतलब है कि इस कुंड के पानी में गंधक और हीलियम गैस मौजूद है। वहीं कुंड से निकला पानी एक नाले में जाता है जिसका नाम जमुई है। इसके बाद इस कुंड का पानी नाले से होता हुआ गरगा नदी में मिल जाता है। हालांकि आज तक कोई यह तो साबित नहीं कर पाया कि आखिर ताली बजाने से कुंड का पानी ऊपर कैसे आता है लेकिन वैज्ञानिकों का मानना है कि संभवत- ताली बजाने से जो ध्वनि तरंग उत्पन्न होती है उसके कारण ऐसा होता हो।

चार घंटे के मंथन के बाद सुलझ गया पायलट-गहलोत का झगड़ा!

» पार्टी अध्यक्ष खरगे और राहुल गांधी की मौजूदगी में दोनों नेताओं की हुई बैठक

» पार्टी आलाकमान का दावा दोनों साथ मिलकर लड़ेंगे चुनाव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राजस्थान कांग्रेस में पिछले कई दिनों से मची रार अब खत्म हो गई है और प्रदेश के दोनों दिग्गज नेताओं सीएम अशोक गहलोत और सचिन पायलट के बीच समझौता होकर सबकुछ ठीक हो गया है। ऐसा कहना है कल हुई बैठक के बाद कांग्रेस आलाकमान का। दरअसल, राजस्थान में इसी साल के अंत में विधानसभा चुनाव होना है।

इसलिए इससे पहले कांग्रेस पार्टी के अंदर मची इस रार को पूरी तरह से निपटाना चाहती है। इसी के मद्देनजर कल दिल्ली में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी की मौजूदगी में सचिन पायलट और गहलोत के साथ एक हाई लेवल बैठक की गई। कांग्रेस चीफ मल्लिकार्जुन खरगे के घर चार घंटों तक चली बैठक के बाद गहलोत और सचिन पायलट साथ नजर आए। राहुल गांधी भी इस बैठक में मौजूद रहे। इस दौरान चारो नेताओं के बीच लंबा मंथन चला। खरगे और राहुल गांधी ने पायलट और गहलोत से अलग-अलग भी बात की। जिसके बाद मीटिंग में यह फैसला हुआ कि दोनों नेता मिलकर विधानसभा चुनाव लड़ेंगे। हालांकि, बैठक के बाद गहलोत और पायलट दोनों नेताओं ने कुछ नहीं कहा। अभी ये साफ नहीं हुआ कि दोनों के बीच सुलह किन शर्तों पर हुई है। लेकिन हाईकमान का कहना है कि राहुल गांधी और पार्टी अध्यक्ष खरगे ने दोनों नेताओं के बीच समझौता करा दिया है।

गहलोत का नेतृत्व, सचिन को सम्मान

जानकारी के मुताबिक, पार्टी आलाकमान ने गहलोत और पायलट से अलग-अलग बैठक की। दोनों नेताओं ने खुलकर अपना पक्ष रखा। कांग्रेस नेतृत्व ने दोनों नेताओं गहलोत और पायलट से मतभेद भुलाकर इस साल के अंत में होने जा रहे विधानसभा चुनाव के लिए एकजुट होने की अपील की। ऐसी जानकारी है कि कांग्रेस गहलोत के नेतृत्व में ही अगला विधानसभा चुनाव लड़ेगी, लेकिन सचिन पायलट की भूमिका भी महत्वपूर्ण होगी। सुलह के मद्देनजर पायलट अब गहलोत सरकार के खिलाफ मोर्चा नहीं खोलेंगे। गहलोत भी सचिन को सम्मान देंगे। जाहिर है कि कांग्रेस सचिन पायलट की बगावत से परेशान थी, लेकिन अब कर्नाटक की तर्ज पर आपसी मनमुटाव को चुनाव बाद तक टालने का फैसला लिया गया है। अब फैसला राजस्थान विधानसभा चुनाव के बाद के नतीजों पर होगा।

मिलकर लड़ेंगे चुनाव : वेणुगोपाल

बैठक के बारे में जानकारी देते हुए

कांग्रेस महासचिव के सी वेणुगोपाल ने बताया कि दोनों साथ काम करेंगे। दोनों पर हाईकमान फैसला लेगा। साथ मिलकर चुनाव लड़ेंगे। राजस्थान में बीजेपी के खिलाफ जीतेंगे। हमने निर्णय किया है कि कांग्रेस यूनाइडेली चुनाव में जाएगी। दोनों पर फैसला अलाकमान लेगा। मुद्दों पर फैसला अलाकमान लेगा और तय हुआ कि साथ मिलकर लड़ेंगे।

महाराष्ट्र में कांग्रेस के इकलौते सांसद बालू धानोरकर का निधन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र में कांग्रेस के एकमात्र सांसद बालू धानोरकर का निधन हो गया है। धानोरकर का इलाज दिल्ली के एक निजी अस्पताल में चल रहा था, लेकिन आज सुबह उनका निधन हो गया। 48 वर्षीय बालू धानोरकर अपने पीछे पत्नी प्रतिभा धानोरकर और दो बेटे छोड़ गए हैं। प्रतिभा धानोरकर भी विधायक हैं।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता बालासाहेब थारोट ने जानकारी देते हुए बताया कि बालू धानोरकर को बीते हफ्ते किडनी में पथरी की समस्या के चलते नागपुर के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया था। हालांकि, बाद में तबीयत बिगड़ने पर उन्हें एयर एंबुलेंस से दिल्ली के मेदांता अस्पताल में शिफ्ट किया गया था। जहां मंगलवार को उनका निधन हो गया। बालू धानोरकर ने अपने राजनीतिक करियर की शुरुआत शिवसेना से की थी। लेकिन बाद में धानोरकर कांग्रेस में शामिल हो गए और चंद्रपुर लोकसभा सीट से वो कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़े और विजयी हुए।

जम्मू-श्रीनगर नेशनल हाईवे पर भीषण हादसा, पुल से नीचे गिरी बस

» चालक समेत 10 की मौत 59 यात्री घायल, वैष्णो देवी जा रहे थे लोग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू। जम्मू-श्रीनगर नेशनल हाईवे पर झज्जर कोटली के पास बड़ा सड़क हादसा ह गया। जहां एक बस के पुल से नीचे गिर जाने से हादसे में अब तक 10 लोगों की मौत की खबर सामने आ रही है, तो वहीं 59 यात्री घायल बताए जा रहे हैं। हादसा इतना भीषण था कि छह लोगों की मौत मौके पर ही हो गई, जबकि चार की जान जीएमसी जम्मू में इलाज के दौरान चली गई। मरने वालों में बस चालक भी शामिल है। घायलों का इलाज जम्मू के मेडिकल कॉलेज अस्पताल में जारी है।

जानकारी के अनुसार, बस अमृतसर से वैष्णो देवी (कटड़) जा रही थी। बस में करीब 60 यात्री सवार थे। सभी बिहार की राजधानी पटना के रहने वाले बताए जा रहे हैं। जैसे ही बस नेशनल हाइवे-44 पर झज्जर कोटली पहुंची, बस अनियंत्रित होकर पुल से नीचे गिर गई। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसा जम्मू जिले से करीब 15 किलोमीटर दूर झज्जर कोटली के पास हुआ है। सीआरपीएफ अधिकारी अशोक चौधरी ने बताया कि जैसे ही हमें सुबह दुर्घटना की जानकारी मिली। तुरंत हमारी टीम ने यहां पहुंचकर रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। शवों को निकाला गया। घायलों को अस्पताल पहुंचाया है। पुलिस की टीम भी हमारे साथ रेस्क्यू ऑपरेशन में लगी है। सीआरपीएफ, पुलिस और अन्य टीमें भी यहां हैं।

ज्ञानवापी मामला : कोर्ट ने अखिलेश-ओवैसी को 17 जून को जवाब दाखिल करने को कहा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

वाराणसी। ज्ञानवापी के वजूखाने में गंदगी करने और अपने बयान से हिंदुओं की भावना आहत करने को लेकर सपा प्रमुख अखिलेश यादव, एआइएमआइएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी समेत अन्य के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की मांग वाले प्रार्थना पत्र पर निचली अदालत के आदेश के खिलाफ पुनरीक्षण याचिका पर अपर जिला जज (नवम) की अदालत में सुनवाई हुई।

मुकदमे में प्रतिवादी अखिलेश, ओवैसी, मौलाना अब्दुल बातिन नोमानी व अन्य की ओर से अदालत में कोई उपस्थित नहीं हुआ था। अदालत ने नोटिस जारी करके 17 जून को सुनवाई में जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। प्रतिपक्ष को हाजिर होने के लिए छह मई को नोटिस जारी किया था। बता दें कि वकील हरिशंकर पांडेय ने अखिलेश और ओवैसी के बयान के खिलाफ एसीजेएम पंचम (एमपी-एमएलए) की प्रार्थना पत्र दाखिल किया था। अदालत ने 14 फरवरी को प्रार्थना पत्र निरस्त कर दिया था। हरिशंकर पांडेय ने जिला जज की अदालत में पुनरीक्षण याचिका दाखिल की थी, जिस पर अपर जिला जज (नवम) की अदालत में सुनवाई चल रही है। जिला जज डा. अजय कृष्ण विश्वेश के अवकाश पर होने के चलते किरन सिंह की ओर से दाखिल मुकदमे की पोषणीयता पर प्रतिवादी अंजुमन इंतेजामिया मसाजिद की ओर से दाखिल पुनरीक्षण याचिका पर सुनवाई नहीं हो सकी। अगली सुनवाई 7 जुलाई को होगी।

फिर आईपीएल की बॉस बनी चेन्नई, 5वीं बार जीता खिताब

» धोनी ने की रोहित शर्मा के सबसे अधिक आईपीएल ट्रॉफी जीतने की बराबरी

» माही ने नहीं की संन्यास की घोषणा, खेलेंगे अगला सीजन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अहमदाबाद। क्रिकेट के त्यौहार आईपीएल 2023 का 29 मई को फाइनल के साथ समापन हो गया। वर्षा बाधित इस फाइनल मुकाबले में महेंद्र सिंह धोनी की अगुवाई वाली चेन्नई सुपरकिंग्स ने हार्दिक पांड्या की गुजरात टाइटंस को हराकर 5वीं बार आईपीएल की ट्रॉफी अपने नाम की। इसके साथ ही धोनी ने रोहित शर्मा के सबसे अधिक 5 बार आईपीएल खिताब जीतने के रिकॉर्ड की भी बराबरी कर ली।

वर्षा बाधित इस फाइनल मुकाबले में गुजरात टाइटंस ने पहले बल्लेबाजी करते हुए जहां 20 ओवर में 4 विकेट पर 214 रन बनाए थे। लेकिन बाद में बारिश ने खलल डाल दिया। जिसके चलते चेन्नई को 15 ओवर्स में 171 रनों का लक्ष्य दिया गया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी चेन्नई ने ताबड़तोड़ शुरूआत की। अंतिम ओवर में चेन्नई को 13 रनों की जरूरत थी। अंतिम दो गेंदों पर 10 रनों की जरूरत थी। यहीं पर रविंद्र जडेजा ने शानदार खेल खेलते हुए दोनों गेंदों पर पहले छक्का और फिर चौका मारकर चेन्नई को पांचवीं बार खिताब दिला दिया। चेन्नई की इस जीत में कई हीरो रहे।

जीरो पर आउट हुए धोनी

5वीं बार खिताब जीतकर चेन्नई ने अपने प्रशंसकों को बड़ा तोहफा दिया। हालांकि, इस मैच में चेन्नई के बॉस यानी थाला महेंद्र सिंह धोनी ने जरूर अपने प्रशंसकों को निराश किया। अंबाती रायडू के आउट होने के बाद बल्लेबाजी करने उतरे धोनी पहली ही गेंद पर बिना खाता खोले चलते बने। और फाइनल मुकाबले में धोनी के हेलीकॉप्टर शॉट की उम्मीद लगाए बैठे दर्शकों को काफी निराशा हाथ लगी।

फैंस के लिए एक सीजन और खेलेंगे धोनी

शुरूआत से ही इस सीजन को धोनी का अंतिम आईपीएल माना जा रहा था। हालांकि, फाइनल मैच के बाद प्रेजेंटेशन समारोह में धोनी ने संन्यास को लेकर कहा कि जिस तरह फैंस ने प्यार दिखाया है, ऐसे में वह अगला सीजन खेलकर उन्हें गिफ्ट देना चाहते हैं। धोनी ने होस्ट से कहा कि आप मेरे संन्यास को लेकर जवाब खोज रहे हैं? परिस्थिति के मुताबिक देखें तो यह मेरे संन्यास की घोषणा करने का सबसे अच्छा समय है। लेकिन इस साल मैं जहां भी रहा हूं, मेरे लिए फैंस ने जितना प्यार और स्नेह दिखाया है उसके लिए बहुत-बहुत धन्यवाद कहना आसान होगा।

मणिपुर हिंसा: कांग्रेस ने महामहिम को सौंपा ज्ञापन

राष्ट्रपति से की उच्च स्तरीय जांच आयोग के गठन की मांग

» राज्य में चार दिन के दौरे पर हैं गृहमंत्री अमित शाह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

इंफाल। मणिपुर में हिंसा थमने का नाम ही नहीं ले रही है। पिछले कई महीनों से मणिपुर लगातार हिंसा की आग में जल रहा है। इस हिंसा में अब तक कई लोगों की जान जा चुकी है। कल से गृहमंत्री अमित शाह भी मणिपुर में मौजूद हैं, लेकिन फिर भी राज्य में हिंसा की खबरें लगातार आ रही हैं। दूसरी ओर आज मणिपुर मामले को लेकर पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की मौजूदगी में कांग्रेस नेताओं के एक प्रतिमंडल ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात कर एक उच्च स्तरीय जांच आयोग के गठन की मांग की।

मणिपुर की स्थिति को लेकर आज दोपहर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे पार्टी नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल के साथ नई दिल्ली स्थित राष्ट्रपति भवन पहुंचे। यहां उन्होंने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की। वहीं, कांग्रेस नेता ने बताया कि मणिपुर के बिगड़ते हालात को काबू लाने के लिए उन्होंने मुलाकात के दौरान राष्ट्रपति को एक ज्ञापन सौंपा। नेता ने कहा कि हमने सुप्रीम कोर्ट के एक सेवारत या सेवानिवृत्त न्यायाधीश की अध्यक्षता में एक उच्चस्तरीय जांच आयोग के गठन सहित 12 मांगें रखी हैं। अब देखना है कि कांग्रेस के इस ज्ञापन के बाद महामहिम क्या फैसला लेती हैं।

हिंसा का उग्रवाद से कोई लेना-देना नहीं : सीडीएस

इस बीच चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान का कहना है कि राज्य में हालात सामान्य होने में थोड़ा वक्त लगेगा। इस दौरान जनरल चौहान ने कहा कि राज्य में हिंसा दो जातियों के बीच संघर्ष का परिणाम है और इसका उग्रवाद से कोई लेना-देना नहीं है। यह कानून-व्यवस्था का मामला है। हम राज्य सरकार की मदद कर रहे हैं।

सरकार ने की मुआवजे की घोषणा

वहीं दूसरी ओर हिंसा में जान गंवाने वाले और पीड़ित परिवारों के जख्मों पर मलहम लगाने के लिए केंद्र और मणिपुर राज्य सरकार ने मणिपुर में जातीय संघर्ष के दौरान मरने वालों के परिवार को 10 लाख रुपये का मुआवजा देने की घोषणा की है। साथ ही, दंगे में मरने वालों के परिवार के एक सदस्य को नौकरी भी दी जाएगी। अधिकारियों ने कहा कि मुआवजे की राशि केंद्र और राज्य सरकार समान रूप से वहन करेगी।

उद्धव गुट के सांसद का दावा शिंदे के 22 विधायक और 9 सांसद हमारे संपर्क में

» शिंदे सरकार में मंत्री शंभूराज देसाई ने दावे को बताया गलत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र में शिवसेना उद्धव गुट और एकनाथ शिंदे गुट के बीच लगातार एक-दूसरे पर आरोप प्रत्यारोप का दौर जारी है। इस बीच शिवसेना उद्धव बालासाहेब ठाकरे गुट के सांसद विनायक राउत ने कहा है कि एकनाथ शिंदे गुट के 22 विधायक और 9 सांसद उद्धव गुट के संपर्क में हैं। विनायक राउत ने अपना पक्ष रखते हुए स्वास्थ्य मंत्री तानाजी सावंत, मंत्री शंभूराज देसाई और सांसद गजानन कीर्तिकर का नाम लिया।

वहीं इस दावे पर पलटवार करते हुए शिंदे सरकार में मंत्री शंभूराज देसाई ने कहा है कि विनायक राउत का यह बयान कि वह उद्धव ठाकरे के संपर्क में हैं, पूरी तरह गलत है। शंभूराज देसाई ने विनायक राउत को चेतावनी देते हुए कहा कि विनायक राउत दो दिन में अपने बयान वापस लें। वरना वह मानहानि का दावा पेश करेंगे। विनायक राउत का कहना है कि मंत्री शंभूराज देसाई ने उद्धव ठाकरे को संदेश दिया था कि यहां हमारा दम घुट रहा है। उसके बाद गजानन कीर्तिकर का बयान भी सामने आया। कीर्तिकर ने कहा था कि बीजेपी के लोग हमें तुच्छ समझते हैं। वहीं मंत्री तानाजी सावंत को बजट नहीं मिल रहा है। विनायक राउत ने कहा कि मंत्रियों समेत हममें से कई लोगों ने उद्धव ठाकरे से संपर्क करना शुरू कर दिया है। कुछ ने तो हममें से कुछ से बात करना भी शुरू कर दिया है।

जारी रहेगा पश्चिमी विक्षोभ का असर, आंधी-बारिश की संभावना

» दिल्ली में अगले 6 दिन तक नहीं चलेगी लू

» उत्तर प्रदेश के 24 जिलों में बारिश का येलो अलर्ट जारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पश्चिमी विक्षोभ के चलते मौसम में अचानक हुए बदलाव का दौर अभी आगे भी जारी रहेगा। मौसम विभाग की मानें तो राजस्थान और दिल्ली समेत 9 राज्यों में मंगलवार को आंधी, बिजली के साथ बारिश होने की संभावना है।

जम्मू-कश्मीर, लद्दाख के कुछ हिस्सों में हल्की बारिश होने के आसार हैं। बाकी राज्यों में मौसम सामान्य रहेगा। आईएमडी के मुताबिक, आज 9 राज्य- राजस्थान, दिल्ली, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश, गुजरात, कर्नाटक, केरल और तमिलनाडु के कुछ हिस्सों में बारिश होने की संभावना है। वहीं, दिल्ली में अगले 6 दिन लू नहीं चलेगी। उत्तर प्रदेश में पश्चिमी विक्षोभ का असर अभी बरकरार है। मौसम केन्द्र लखनऊ ने मौसम के लिए चेतावनी जारी कर कहा है कि लखनऊ में एक-दो बार गरज-चमक के साथ बूंदाबांदी हो सकती है। जबकि पश्चिमी व पूर्वी जिलों में 60 किमी प्रतिघंटा की रफ्तार से आंधी चलने तथा गरज-चमक के साथ बारिश के आसार हैं।

अखिलेश राजनीतिक रूप से परिपक्व नहीं : केशव प्रसाद मौर्य

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश में सपा और भाजपा के बीच जुबानी जंग लगातार जारी है। इस बीच उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सपा प्रमुख अखिलेश यादव की राजनीति पर सवाल खड़ा करते हुए कहा कि अखिलेश राजनीतिक रूप से परिपक्व नहीं हैं। वो बचकानी हरकतें करते रहते हैं। वे राजनीति करने में अक्षम हैं। उनके पास कोई राजनीतिक दृष्टिकोण नहीं है।

केशव ने कहा कि सपा अध्यक्ष यूथ की बात तो कर सकते हैं, लेकिन वो सिर्फ गुंडों, दंगाइयों और माफियाओं का काम कर सकते हैं। यूपी के विकास, महिलाओं, नवजवानों, गरीबों के लिए कोई भी काम नहीं कर सकते हैं।

फोटो:4 पीएम

गंगा दशहरा

हिन्दू आस्था से जुड़े गंगा दशहरा के पावन अवसर पर महादेव व गंगा मैया की पवित्र नगरी हरिद्वार में लाखों की संख्या में श्रद्धालुओं ने गंगा में डुबकी लगाकर मां गंगा को नमन किया। इस पर्व पर पूरे देश के अलग-अलग स्थानों पर गंगा घाट पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रही।

अपने कार्यकाल को पीएम ने बताया 'सेवा के 9 साल'

» प्रधानमंत्री मोदी ने कहा- सरकार का हर निर्णय लोगों की जिंदगी बेहतर बनाने के लिए था

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। 2014 से देश की सत्ता पर राज करने वाली मोदी सरकार ने अपने कार्यकाल के 9 साल पूरे कर लिए हैं। अपनी सरकार के 9 साल पूरे करने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इन 9 सालों को 'सेवा के 9 साल' बताया है। पीएम मोदी ने कहा कि इस दौरान उनकी सरकार के द्वारा लिया गया हर फैसला लोगों का जिंदगी बेहतर बनाने के लिए था।

प्रधानमंत्री मोदी ने ट्वीट करते हुए लिखा कि आज जब हम राष्ट्र की सेवा में 9 वर्ष पूरे कर रहे हैं, मैं विनम्रता और कृतज्ञता से भर गया हूं। सरकार द्वारा लिया गया हर निर्णय, हर कदम, लोगों के जीवन को बेहतर बनाने की इच्छा से निर्देशित होता है। विकसित भारत के निर्माण के लिए हम और भी अधिक मेहनत करते रहेंगे।

भाजपा देशभर में चलाएगी महासंपर्क अभियान

केंद्र में सरकार के 9 साल पूरे होने पर भारतीय जनता पार्टी ने देश भर में महीने भर का महासंपर्क अभियान शुरू किया है। इस दौरान देश के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में मोदी कैबिनेट के मंत्री सरकार की उपलब्धियों के बारे में जानकारी देंगे। जिन राज्यों में बीजेपी की सरकार है, वहां के मुख्यमंत्री भी इस दौरान साथ रहेंगे। इसके साथ ही बीजेपी कार्यकर्ता भी सरकार की उपलब्धियों को जनता के बीच लेकर जाएंगे।

सुरक्षा और राष्ट्रीय गौरव के वर्ष: शाह

वहीं गृहमंत्री अमित शाह ने सरकार के 9 सालों को सुरक्षा और राष्ट्रीय गौरव के वर्ष बताते हुए कहा कि आज मोदी जी के नेतृत्व में देश सुरक्षित है। शाह ने ट्वीट कर लिखा, मोदी सरकार के 9 वर्ष सुरक्षा, राष्ट्रीय गौरव, विकास व गरीब कल्याण के अभूतपूर्व संयोजन के 9 वर्ष रहे हैं। आज एक ओर मोदी जी के नेतृत्व में देश सुरक्षित है और विश्व में गौरव के नए आयाम बना रहा है, वहीं दूसरी ओर सरकार ने विकास व गरीब कल्याण के नए मापदंड स्थापित किए हैं। उन्होंने आगे लिखा, मोदी जी ने गरीब से गरीब व्यक्ति को घर, बिजली, गैस व स्वास्थ्य बीमा जैसी कई बुनियादी सुविधाएं देकर उनके जीवनस्तर को उठाया है। यह वर्ग पहली बार अपने आप को देश की विकास यात्रा से जुड़ा हुआ महसूस कर रहा है। देश ने पहली बार ग्रामीण व शहरी भारत का समानांतर विकास देखा है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।